रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 24 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 238 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

कोलकाता में भारी बारिश से बाढ़, 7 लोगों की मौत

● 24 घंटों में लगभग 247.5 मिमी बारिश, सड़कों-घरों में 3 फीट तक पानी भरा

30 फ्लाइट्स कैंसिल, रेलवे-मेट्रो सर्विस ठप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक मूसलाधार बारिश से बाढ़ आ गई। पानी में बिजली का करंट फैलने से अब तक सात लोगों की मौत हो गई है। कोलकाता में पिछले 24 घंटों में लगभग 247.5 मिमी बारिश हुई।

सड़कों पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया है। यातायात व्यवस्था सुबह से चरमरा गई है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें सड़कों पर खड़ी गाड़ियां आधी से ज्यादा डूबी दिखीं। कई घरों और रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स में भी पानी घुस गया।

कोलकाता एयरपोर्ट पर पानी भरने और खराब मौसम के कारण 30 फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं और 42 फ्लाइट्स लेट हो गईं। सड़कों पर पानी भरने से यात्रियों को एयरपोर्ट पहुंचने में भी दिक्कत आ रही है। पानी भरने से शहीद खुदीराम और मैदान मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा रोक दी गई है।

हावड़ा और सियालदह डिवीजनों के रेलवे ट्रेक पर पानी भर गया है। इसके कारण हजारदुआरी एक्सप्रेस (13113) और

सियालदह जंगीपुर एक्सप्रेस (13177) ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। चितपुर यार्ड में पानी भरने से सर्कुलर रेलवे लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही बंद है।

बारिश के कारण कई जगह दुर्गा पूजा के पंडाल डूब गए तो कई खराब हो गए हैं। बंगाल सरकार ने बारिश के चलते पूरे राज्य में सभी सरकारी स्कूल और कॉलेजों में तय समय से दो दिन पहले ही दुर्गा पूजा की छुट्टियां कर दी हैं।

सीएम ममता ने पंडाल उद्घाटन कार्यक्रम स्थगित किए- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राहत कार्यों की निगरानी के लिए आज कोलकाता में होने वाले सभी निर्धारित पूजा उद्घाटन कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं।

ममता आज पूजा पंडाल का उद्घाटन करेंगी। वहीं जिन जिलों में बारिश नहीं हुई है वहां के कार्यक्रमों का मुख्यमंत्री अपने आवास से वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करेंगी।

किडनी फेल, 3 बच्चों की मौत

● छिंदवाड़ा में 15 दिन से अचानक हो रही मौतें, 9 के सैंपल भेजे, केंद्र सरकार की टीम करेगी जांच

छिंदवाड़ा (एजेंसी)। छिंदवाड़ा में बीते 15 दिन में किडनी फेल होने से तीन बच्चों की मौत हो गई। 9 का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) की टीम को जांच के लिए बुलाया है।

मामला परासिया विकासखंड का है। परिजन के मुताबिक, बच्चों को शुरुआत में हल्का बुखार और जुकाम की शिकायत हुई। निजी अस्पतालों में सामान्य इलाज के दौरान अचानक पेशाब की मात्रा कम होने और किडनी इन्फेक्शन की समस्या सामने आई। हालत बिगड़ने पर बच्चों को नागपुर रेफर किया गया, जहां 5 साल 8 महीने के अदनान खान, 4 साल के हितांश सोनी और 2 साल की श्रेया यादव की मौत हो गई।

भोपाल से दो सदस्यीय टीम परासिया पहुंची, सैंपल लिए- भोपाल से स्वास्थ्य विभाग की दो सदस्यीय टीम भी परासिया पहुंची है। टीम के सदस्य तीन दिन तक इलाके में रहकर जांच करेंगे। सोमवार को अधिकारियों ने परासिया, न्यूटन चिकली और दूसरे गांवों का दौरा किया। मृतकों के परिजन से बातचीत कर जानकारी जुटाई। देर शाम कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने टीम के साथ मीटिंग की।

मां बोली- अदनान पहले कभी बीमार नहीं हुआ- अदनान ने 11 सितंबर जबकि हितांश सोनी ने 14 सितंबर को नागपुर के अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। वहीं, श्रेया की मौत 16 सितंबर को हुई।

अदनान की मां आफरीन परवीन ने कहा- इससे पहले कभी मेरे बेटे को बुखार तक नहीं आया था।

आयुष डॉक्टरों को मिलेगा डीएसीपी का लाभ : सीएम

● आयुष और पर्यटन विभाग के बीच एमओयू

वेलनेस टूरिज्म के लिए 12 नए आयुष अस्पतालों की शुरुआत

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में आयोजित राज्य स्तरीय '10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस' का शुभारंभ किया। आयुर्वेद दिवस के अवसर पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं और नई पहलें शुरू की गई। जिसमें कैंसर के मरीजों को आयुर्वेद इलाज मुहैया करा उनकी जीवन गुणवत्ता में सुधार लाने की योजना भी शामिल है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, शायद मुझे यह नहीं कहना चाहिए, लेकिन सच यही है कि आज मैं जितना स्वस्थ हूं, उसका श्रेय आयुर्वेद को जाता है। न मुझे बीपी की समस्या है, न शुगर, न चश्मे की जरूरत और न ही कोई दूसरी गंभीर बीमारी। जबकि मेरी उम्र अब साठ वर्ष से अधिक हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा, एलोपैथी तब काम आती है जब बीमारी हो जाती है, लेकिन आयुर्वेद ऐसी जीवनशैली है, जो व्यक्ति को बीमार ही नहीं होने देती। यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आयुर्वेद दिवस पर प्रदेशवासियों को 12 नए आयुष अस्पतालों की सौगात दी। यह कदम उस समय उठाया गया है, जब मध्यप्रदेश मेडिकल टूरिज्म का हब बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इसी को लेकर आयुष और पर्यटन विभाग के बीच एमओयू भी हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में न केवल देशभर से बल्कि पूरे विश्व से लोग आयुष वेलनेस टूरिज्म के लिए आएंगे। इनमें उज्जैन और

खजुराहो में 50-50 बिस्तरों के दो अस्पताल और 10 जिलों में 10-10 बिस्तरों के अस्पताल खोले जाएंगे। इनमें पचमढ़ी, मंदसौर, अगर-मालवा समेत अन्य स्थान शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य स्तरीय 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का शुभारंभ किया।

सभी चिकित्सा अधिकारियों को मिलेगा वरिष्ठ पदनाम और प्रथम श्रेणी का दर्जा

सीएम ने यह भी घोषणा की कि आयुष विभाग के सभी चिकित्सा अधिकारियों को वरिष्ठ पदनाम देकर प्रथम श्रेणी का दर्जा दिया जाएगा। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की तरह आयुष विभाग में भी विशेषज्ञों और चिकित्सा अधिकारियों के लिए चयन वेतनमान लागू होगा। इससे 1453 आयुष चिकित्सा अधिकारी, 228 होम्योपैथी और 85 यूनानी चिकित्सक समेत कुल 2698 अधिकारियों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा, पीजी कर चुके मेडिकल ऑफिसरों के स्टाइपेंड में तीन वेतनमान वृद्धि और सभी कॉलेजों में पीजी की पढ़ाई कराने की भी घोषणा की गई।

वरिष्ठ पत्रकार आदरणीय छोटू जी शास्त्री (अध्यक्ष, पत्रकार संघ धार) एवं वरिष्ठ पत्रकार आदरणीय राजेश जी सोनी (अध्यक्ष, पत्रकार संघ झाबुआ) का बाबा महाकाल की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया!
पत्रकार राजेश धाकड़, इंदौर

एमपी न्यूज़ के संपादक महेंद्र सिंह जी सोनगरा को जन्मदिन के अवसर पर रणजीत टाइम्स परिवार की और से सादर भेंट माँ अहिल्या न्याय, सेवा और शौर्य की प्रतिमूर्ति भेंट कर बधाई व शुभकामनाएं दी गई!

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैय्या का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

महू-इंदौर- जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधायक अजयसिंह राहुल भैय्या का जन्मदिन भोपाल में धूमधाम से मनाया। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी नेता प्रतिपक्ष विधायक उमंग सिंगार ने शुभकामनाएं प्रेषित की। स्वागत सम्मान में भोपाल निवास पर मुख्य रूप से डॉ महेंद्रसिंह चौहान, विधायक सुरेंद्रसिंह हनी बघेल, विधायक हीरालाल अलावा,सिमरोल ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक सैनी, जुगनू जादवसिंह धनावत, राजेश पाटीदार, अजय ठाकुर, विजय जैन, इत्यादि हजारों समर्थकों ने पहुंचकर शुभकामना प्रेषित की।

आरोपी के कब्जे से पानी के प्लांट में चोरी किए हुए 4 लाख कीमत की करीब 5 नई मोटर को जप्त किया गया

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। थाना बाणगंगा में लवकुश चौराहे के पास सागर रोड पर बने रीवा बेवरेज नमक पानी फिल्टर करने वाली प्लांट कंपनी में प्लांट के काम के लिए नई मोटर खरीद कर सुरक्षित रखी गई थी जो कि दिनांक 16-9-2025 बस 17 9 2025 की मध्य रात्रि को अज्ञात आरोपी द्वारा प्लांट में राखी 4 लख रुपए की कीमत की नई मोटर व अन्य सामान को चोरी कर लिया गया था सूचना प्राप्त होने पर थाना बाणगंगा पर अपराध क्रमांक 1265 / 20 25 धारा 305 ए 331 4bns के तहत अपराध पंजीबद कर विवेचना में लिया गया वही थाना प्रभारी सियाराम सिंह गुर्जर द्वारा एक टीम का गठन किया गया और थाना बाणगंगा पुलिस फोर्स द्वारा मेहनत व लगन से आरोपी की तलाश की गई तथा आरोपी से पूछताछ कर उसके कब्जे से चार लाख की कीमत की पानी की मोटर जप्त की गई आरोपी से पूछताछ के दौरान उसके द्वारा बताया गया कि बैकग्राउंड रिंगनोदिया तहसील साबिर जिला इंदौर का रहने वाला है उसके द्वारा पानी के प्लांट में चोरी करने के पहले पानी के प्लांट आसपास के

अन्य कंपनियों की बहुत दिनों से रैखिक की गई थी और फिर 169.2025 को मध्य रात्रि में मौका मिलने पर रीवा बेवरेज नमक पानी के प्लांट कंपनी की दीवार काटकर अंदर घुसा तथा कंपनी में राखी 4 लाख कीमत की पानी की नई मोटरों की चोरी की उपरोक्त सफलता में थाना बाणगंगा संजय धुर्वे रामकुमार त्यागी प्रमोद डांसिंग जाट लाल साहब धर्मेंद्र सुखेंद्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मंगलवार को बागली में भारत तिब्बत समन्वय संघ की जिला बैठक संपन्न हुई

शारदेय नवरात्रि के दूसरे दिन भारत तिब्बत समन्वय संघ की जिला बैठक बागली में संपन्न हुई। बैठक के दौरान प्रांतीय पदाधिकारी मनोज जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान जोधपुर से प्रकाशित होने वाली भारत तिब्बत समन्वय संघ सदस्यों की सूची प्रकाशन के लिए चर्चा की गई साथ ही नवरात्रि पर्व में नवीन सदस्यता अभियान शुरू करने की बात भी कही गई। बैठक में देवास जिला उपाध्यक्ष सुनिल योगी जिला मंत्री डी एल चौहान जिला सह संयोजक अरविंद सिंह लोधी बागली खंड अध्यक्ष मुकेश गोस्वामी, मुकेश गुप्ता सहित स्थानीय सदस्य उपस्थित रहे। बैठक

के दौरान प्रांतीय पदाधिकारी मनोज जोशी ने बताया कि सदस्यता अभियान में अधिक से अधिक सदस्य जोड़ने के लिए कैलाश मानसरोवर मुक्ति आंदोलन का उद्देश्य बताना जरूरी है। लोगों की भावना धीरे-धीरे सनातन की ओर बढ़ रही है। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष सुनील योगी ने किया तथा आभार व्यक्त बागली ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश गोस्वामी ने माना।

रणजीत टाइम्स

द्वारकापुरी थाने में लव जिहाद केस पर बवाल, बजरंग दल ने किया घेराव और थाने के बाहर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ

इंदौर। लव जिहाद के मामले लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं और ताजा घटनाक्रम द्वारकापुरी थाने में देखने को मिला, जहां बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस के रवैये के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। दरअसल, दानिश नाम के एक युवक पर आरोप है कि उसने एक हिंदू युवती को प्रेम जाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया और उसके बाद कई बार दुष्कर्म की घटनाओं को अंजाम दिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने युवती का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी भी दी और फरार हो गया।

पीड़ित युवती ने बताया कि उसकी मुलाकात दानिश से एक मार्ट में काम करने के दौरान हुई थी। धीरे-धीरे दोस्ती हुई और दानिश ने शादी का वादा कर उसके साथ संबंध बनाए। बाद में उसने राजेंद्र नगर स्थित एक होटल में ले जाकर डरा-धमकाकर दुष्कर्म किया और वीडियो बना लिया। धमकियों से परेशान होकर युवती ने राजेंद्र नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। चूंकि युवती द्वारकापुरी क्षेत्र की रहने वाली है, इसलिए राजेंद्र नगर पुलिस ने जीरो पर कायमी करते हुए मामला द्वारकापुरी थाने भेज दिया।

मामले में सोमवार रात बड़ा विवाद तब खड़ा हुआ जब पीड़ित युवती बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ द्वारकापुरी थाने पहुंची। यहां थाना प्रभारी मनीष मिश्रा पर कार्यकर्ताओं ने अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया। इससे नाराज बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने के बाहर ही बैठ गए और विरोध स्वरूप सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे। माहौल तनावपूर्ण हो गया और पुलिस बल की मौजूदगी बढ़ानी पड़ी। बवाल बढ़ने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी दानिश को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ शुरू कर दी गई है। वहीं, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि अगर ऐसे मामलों में पुलिस की ढिलाई जारी रही तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

एमवायएच चूहा कांड पर हाई कोर्ट का सख्त रुख, पुलिस आयुक्त से पूछा - नवजातों की मौत पर अब तक एफआईआर क्यों नहीं

इंदौर। एमवायएच अस्पताल के चर्चित चूहा कांड मामले में सोमवार को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने बड़ा आदेश जारी किया। कोर्ट ने दो नवजात शिशुओं की मौत को गंभीर मानते हुए पुलिस आयुक्त से सीधा सवाल किया कि अब तक इस मामले में एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की गई। साथ ही लोक निर्माण विभाग को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है कि एमवाय अस्पताल और एमजीएम मेडिकल कॉलेज की इमारतों की आंतरिक व बाहरी स्थिति क्या है, ये भवन और कितने साल तक सुरक्षित हैं और इन्हें दुरुस्त करने के लिए कितनी राशि की आवश्यकता होगी। गौरतलब है कि 31 अगस्त और 1 सितंबर की दरमियानी रात एमवाय अस्पताल के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग की एनआईसीयू में भर्ती धार और देवास के दो नवजात शिशुओं के अंग चूहों ने कुतर दिए थे। गंभीर स्थिति में इलाज के दौरान ही दोनों बच्चों की मौत हो गई। इस दिल दहला देने वाली घटना पर हाई कोर्ट ने 10 सितंबर 2025 को स्वत:-संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका दायर की थी।

इस मामले में कोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता पीयूष माथुर और एडवोकेट कीर्ति पटवर्धन को न्याय मित्र नियुक्त किया था। जिला प्रशासन ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में पेश की, जिसमें दावा किया गया कि नवजातों की मौत सीधे तौर पर चूहों के काटने से नहीं बल्कि उनकी जन्मजात बीमारियों और विकृतियों के कारण हुई। कोर्ट ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि प्रशासन मामले को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। सुनवाई के दौरान यह भी सामने आया कि एमजीएम मेडिकल कॉलेज और एमवाय अस्पताल दोनों जगह गंभीर समस्याएं हैं। कर्मचारियों की भारी कमी, लोक निर्माण विभाग की लापरवाही और भवनों के खराब रखरखाव ने स्थिति और बिगाड़ दी है। कोर्ट ने इस मुद्दे को गंभीर मानते हुए लोक निर्माण विभाग से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाई कोर्ट ने तीन पेज का आदेश जारी किया। इसमें पुलिस आयुक्त को साफ निर्देश दिए गए हैं कि वे बताएं, आखिर दो नवजातों की मौत जैसे गंभीर मामले में अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं हुई। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद तय की है और तब तक सभी विभागों को स्पष्ट जवाब पेश करने का निर्देश दिया है।

प्राचीन पूजनीय पीपल का पेड़ काटा गया, लकड़ियाँ गायब

इंदौर। वार्ड 66, झोन 12 स्थित बारह माथा बगीची, बारह माथा डेम के पास गुरुनानक कॉलोनी क्षेत्र में होल्कर काल से खड़ा पूजनीय पीपल का पेड़ अब नजर नहीं आएगा। लगभग 10 फीट बाय 10 फीट की गोलाई में फैला यह प्राचीन पेड़ चार दिन पहले काट दिया गया और इसकी लकड़ियाँ भी रहस्यमय तरीके से गायब कर दी गईं।

सूत्रों के अनुसार घटना की जानकारी मिलने पर सहायक उद्यान अधिकारी और दरोगा ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह पीपल धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक महत्व से जुड़ा हुआ था। अब इसके अचानक काटे जाने और लकड़ियाँ गायब होने से क्षेत्रवासियों में नाराजगी है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि इतनी महत्वपूर्ण धरोहर को संरक्षित करने के बजाय क्यों समाप्त कर दिया गया।

विशेषज्ञों ने जताई चिंता

पेड़ों पर कई पुस्तकें लिख चुके पर्यावरणविद् डॉ. ओ.पी. जोशी ने बताया कि इस तरह का पीपल का पेड़ इंदौर में आज तक देखने में नहीं आया था। उनके अनुसार यह वृक्ष लगभग 250 से 300 वर्ष पुराना हो सकता है और इसे *हेरिटेज वृक्ष* के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए था। उन्होंने इसे काटे जाने को एक निंदनीय कृत्य बताया। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे ऐतिहासिक वृक्ष न केवल पर्यावरणीय संतुलन के लिए महत्वपूर्ण हैं बल्कि शहर की सांस्कृतिक धरोहर भी हैं। इसके बावजूद इस तरह की घटनाएँ इंदौर में हरियाली के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं।

आरटीओ की सख्त कार्रवाई, 11 वाहनों से 89 हजार जुर्माना वसूला, 4 बसें जब्त

इंदौर। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) इंदौर ने लोक परिवहन और स्कूल-कॉलेज वाहनों पर सख्ती तेज कर दी है। सोमवार को की गई जांच कार्रवाई के दौरान 11 वाहनों से 89 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया, जबकि कर बकाया और नियमों के उल्लंघन की वजह से 4 बसों को जब्त कर लिया गया। आरटीओ टीम ने इंदौर-बुरहानपुर और इंदौर-नेमावर रूट पर चलने वाली यात्री बसों और स्कूल-कॉलेज वाहनों की गहन चेकिंग की। इस दौरान कई गंभीर खामियां सामने आईं, जिनमें ओवरलोडिंग, यात्रियों से अधिक किराया वसूली, परमिट शर्तों का उल्लंघन और दस्तावेजों की कमी प्रमुख रही। जांच में यह भी सामने आया कि तीन बसों पर 13 लाख रुपये से अधिक का मोटरयान कर बकाया है, जिन्हें जब्त कर लिया गया। इसके अलावा, एक बस बिना परमिट के संचालित हो रही थी, जिस पर भी तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे सीज किया गया। आरटीओ अधिकारी प्रदीप शर्मा ने कहा कि नियमों का पालन न करने वाले परिवहन साधनों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से स्कूल और कॉलेज बसों की नियमित जांच की जाएगी ताकि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता न हो। कार्रवाई के दौरान वाहनों की फिटनेस, स्पीड गवर्नर, परमिट और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी गहन जांच की गई। साथ ही वाहन चालकों और मालिकों को अपने वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगवाने के लिए प्रेरित किया गया।

इंदौर प्रेस क्लब के सभी सदस्यों का होगा 5 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा

नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में अध्यक्ष दीपक कर्दम ने की घोषणा

इंदौर। इंदौर प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार दोपहर संपन्न हुआ। अध्यक्ष दीपक कर्दम ने शपथ लेने के बाद घोषणा की कि इंदौर प्रेस क्लब के सभी सदस्यों का 5 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा वह और उनके सहयोगी मिलकर करवाएंगे। प्रेस क्लब के राजेंद्र माथुर सभागार में हुए गरिमामय समारोह में निवृत्तमान अध्यक्ष अरविंद तिवारी और अनेक वरिष्ठ पत्रकारों की उपस्थिति में नई प्रबंधकारिणी के अध्यक्ष दीपक कर्दम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, उपाध्यक्ष प्रियंका पांडेय, महासचिव प्रदीप जोशी, सचिव अभिषेक चेंडके, कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य मनीष मक्खर, अभय तिवारी, अंशुल मुकाती, प्रमोद दीक्षित, श्याम कामले, विजय भट्ट

और महिला प्रतिनिधि पूनम शर्मा को शपथ दिलाई गई। अरविंद तिवारी ने इस मौके पर अपने उद्बोधन में पिछली कार्यकारिणी द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए नई कार्यकारिणी को मीडियाकर्मियों के हितों में और अधिक काम करने की सलाह दी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष दीपक कर्दम ने विश्वास दिलाया कि काम किया काम करेंगे के जिस संकल्प को लेकर चुनाव मैदान में थे, उसके अनुरूप पूरे तीन वर्ष हमारी टीम मीडिया के साथियों के लिए कार्य करती रहेगी। उन्होंने सभी मीडियाकर्मियों के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि आपने जो भारी विश्वास हम पर जताया है, उस पर खरा उतरने की हमारी पूरी कोशिश रहेगी। प्रेस क्लब के सभी सदस्यों के लिए 5 लाख रुपए के दुर्घटना बीमा की घोषणा उन्होंने की और कहा कि इसके लिए सदस्यों को कोई खर्च नहीं उठाना पड़ेगा और ना ही हम सरकार से इसके लिए कोई मदद लेंगे। इसका पूरा खर्च मैं और मेरे सहयोगी उठाएंगे।इस मौके पर निवृत्तमान महासचिव हेमंत शर्मा, नवनिर्वाचित महासचिव प्रदीप जोशी और वरिष्ठ पत्रकार सुदेश तिवारी ने भी अपने विचार रखे।इस मौके पर मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन %अविचल% ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन नवनिर्वाचित कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी ने किया। आभार नवनिर्वाचित सचिव अभिषेक चेंडके ने माना।

अनुशासन

विपिन जैन

पेड़ नहीं, पर जाम लगा है बड़ा,
दो पहिया इधर, चौपाया उधर खड़ा।
दूर... बहुत दूर तक पड़ा है जाम,
पर खाए कोई भी नहीं,
जिसने खाया उसे लगा कड़ा।

फिर भी आगे-आगे बड़ा,
तो सबको सड़ाया और खुद भी सड़ा।
सब कहें — यह बात है आम,
लगे जाम सुबह-शाम।

होटल वालों की होती चांदी,
कोई मांगे जलेबी, कोई आलूबड़ा।
और तो और,
पानी का मोल भी बढ़ा-बढ़ा।

न लगता जाम, न होती बात आम,
न परेशान होते महिला-बच्चे,
न मरते मरीज ऐसे रास्ते-रास्ते।
समय पर पहुँचते सब अपने काम,
यदि यातायात नियम का होता पालन।

या पहरेदार डंडा लेकर,
चालान बनाने होता खड़ा।
चालक रहे यदि शिक्षित,
तो मानव जीवन रहे सुरक्षित।

कुनबी समाज के गौरव और मातृशक्ति की प्रेरणा,श्रीमती करुणा योगेश चिल्हाटे जी का सम्मान

अपने अदम्य साहस और समर्पण से, उन्होंने मां ताप्ती की नगरी बैतूल से लेकर पूरे मध्यप्रदेश और राष्ट्र स्तर तक खेल जगत में एक नया इतिहास रचा है। क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज युवा संगठन, जिला इंदौर द्वारा करुणा जी का सम्मान करना हमारे लिए गर्व का विषय है। उनकी उपलब्धियां हमें यह बताती हैं कि कड़ी मेहनत और मजबूत इरादों से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

करुणा जी की प्रमुख उपलब्धियाँः पैरा ताइक्वांडोः स्टेट चैम्पियनशिप सिल्वर (इंदौर, 2024) और नेशनल चैम्पियनशिप ब्रॉन्ज (पंजाब, 2024)। पैरा टेबल टेनिसः "खेलो इंडिया" में मध्यप्रदेश की 9वीं कक्षा की पहली खिलाड़ी के रूप में चयन (दिल्ली, 2025)। इस ऐतिहासिक क्षण का सीधा प्रसारण राष्ट्रीय टीवी पर हुआ। पैरा एथलेटिक्सः 100 मीटर पैरा रेसिंग में गोल्ड और डिस्कस थ्रो में भी गोल्ड (भोपाल, अगस्त 2025)। करुणा जी न केवल हमारे समाज का नाम रोशन कर रही हैं, बल्कि अपनी मेहनत और जज़्बे से आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल कायम कर रही हैं। आपकी लगन और कामयाबी के लिए आपको बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ!

करुणाचिल्हाटे #प्रेरणास्रोत #पैराएथलीट #कुनबीसमाज खेलोंइंडिया #बेतुल #इंदौर #MatrShakti

तृतीय नवरात्रि मां चंद्रघंटा व मणिपुर चक्र की आराधना का दिवस

मणिपुर (नाभि) चक्र - श्री लक्ष्मी नारायण की शक्ति व धर्म की स्थापना का केंद्र : श्री माताजी

सनातन संस्कृति में शक्ति की आराधना को विशेष महत्व दिया गया है। परन्तु शक्ति की आराधना के लिए सर्वप्रथम शक्ति का ज्ञान होना आवश्यक है। सबसे बड़ा सनातन ज्ञान यह है कि मानव सहित संपूर्ण ब्रह्मांड ब्रह्म शक्ति से निर्मित है और अंत में उसी में विलीन हो जाना है। यही ब्रह्म शक्ति मनुष्य में कुंडलिनी शक्ति के रूप में स्थित होती है जिसे अनेक सूक्ष्म चक्रों द्वारा सुरक्षित किया जाता है। और बिना इन चक्रों का मेकेनिज़्म जाने हम इस चक्रव्यूह का भेदन किए हम शक्ति की जागृति नहीं कर सकते। नवरात्रि इन्हीं चक्रों की शक्तियों को जाग्रत व कार्यान्वित कर कुंडलिनी शक्ति के उत्थान का अवसर होता है। नवरात्रि के प्रत्येक दिन हम शक्ति के विशेष रूप की आराधना करते हैं और ये विशेष चक्र से संबंधित होती है।

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति का नाम चंद्रघण्टा है। नवरात्रि उपासना में तीसरे दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन व आराधना की जाती है। इनके मस्तक में घण्टे के आकार का अर्धचन्द्र है। इसी कारण इन देवी का नाम चंद्रघण्टा पड़ा। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। इनका वाहन सिंह है। इनका ध्यान मणिपुर चक्र पर किया जाता है जिससे सांसारिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। मणिपुर चक्र जिसे नाभि चक्र भी कहा जाता है, श्री लक्ष्मी-नारायण का स्थान होता है। यह हमें धर्म परायण बनाते हैं।

सहज योग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने इस चक्र की विशेषताओं की व्याख्या इस प्रकार की है कि, लक्ष्मीजी के चरण कमल पर हैं और अपने दो हाथों में उन्होंने कमल पकड़े हुए हैं । कमल सौन्दर्य का प्रतीक हैं और उनका गुलाबी रंग प्रेम का प्रतीक । ये प्रतीक हैं कि जिस व्यक्ति के पास लक्ष्मी हो , धन हो , उसे कमल की तरह से उदार होना चाहिए । कमल छोटे से भँवरे को भी अपने अन्दर सोने का स्थान देता है । अपनी पंखुड़ियों से ढककर उसे सुख पहुँचाता है और उसकी रक्षा करता है नाभि चक्र में तीन भाग होते हैंः बाएँ, दाएँ और केंद्र। बाईं ओर गृह लक्ष्मी (पत्नी) है, दाईं ओर श्री राज लक्ष्मी या गज लक्ष्मी है, और केंद्र में श्री लक्ष्मी हैं, जिनकी उत्क्रांती श्री महालक्ष्मी के रूप में होती है दिन-प्रतिदिन के जीवन में, जब हम श्री लक्ष्मी के गुणों से युक्त होते हैं, तो हम पाते हैं कि हमें जीवन में अनायास ही प्रकृति की सहायता प्राप्त होने लगती है। हमारे पास अपनी उदारता का आनंद लेने के लिए पर्याप्त समृद्धि होती है। नाभि चक्र का एक अन्य पहलू हमारे जीवन में धर्म या नैतिक आचरण का है। यहां श्री विष्णु हमारे धर्म व आध्यात्मिक विकास की रक्षा और पोषण करते हैं। अपने मणिपुर चक्र पर महालक्ष्मी तत्व की जागृति हेतु कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्म साक्षात्कार प्राप्त कर सहजयोग ध्यान धारणा एक अत्यंत ही सहज मार्ग है। इस नवरात्रि स्वयं को सहजयोग का अतुलनीय अनुभव प्राप्त करने का अवसर आवश्य प्रदान करें। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नम्बर 18002700800 पर सम्पर्क करें।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रचने से चूकी भारतीय महिलाओं को एक और झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम (पूर्व में फिरोजशाह कोटला स्टेडियम) में शनिवार 20 सितंबर 2025 को इतिहास रचने से चूकी भारतीय महिला क्रिकेट टीम को एक झटका लगा है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम पर मंगलवार 23 सितंबर 2025 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

शनिवार को फिरोजशाह कोटला मैदान पर स्मृति मंधाना की 125 रन की धमाकेदार पारी के बावजूद मेजबान भारत को 43 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 से सीरीज जीत ली, जबकि भारतीय महिला टीम कंगारुओं के खिलाफ पहली बार वनडे सीरीज अपने नाम करने से चूक गई।

आईसीसी के मैच रेफरी के अंतरराष्ट्रीय पैनल की जीएस लक्ष्मी ने यह जुर्माना लगाया, क्योंकि समय सीमा को ध्यान में रखते हुए भारत को निर्धारित समय से दो ओवर कम

फेंकने का दोषी पाया गया। आईसीसी की ओर से जारी बयान में कहा गया, खिलाड़ियों और प्लेयर्स सपोर्ट स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है, खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में अपनी टीम द्वारा कम फेंके जाने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद भी खुश नहीं स्मृति मंधाना, कहा- विश्व कप से पहले हमें ताकत और कमजोरियां दिखा गई यह सीरीज

बयान में यह भी कहा गया, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। धीमी ओवर गति की रिपोर्ट मैदानी अंपायर लॉरेन एजेनबाग और जननी नारायणन ने की थी। इसमें थर्ड अंपायर गायत्री वेणुगोपालन और फोर्थ अंपायर वृंदा राठी की भी सहमति शामिल थी। इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के लिए भी एक बुरी खबर आई। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस का वनडे विश्व कप में जगह बनाने का इंतजार और बढ़ गया, क्योंकि पिंडली में खिंचाव के कारण वह भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी 50 ओवरों के टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। ग्रेस हैरिस को शनिवार 20 सितंबर 2025 को भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में चोट लगी थी।

स्वदेश लौटेंगी ग्रेस हैरिस, हीथर ग्राहम खेलेंगी

ग्रेस हैरिस अब 9 नवंबर से शुरू होने वाली महिला बिग बैश लीग से पहले स्वास्थ्य लाभ और पुनर्वास के लिए स्वदेश लौट जाएंगी। ऑस्ट्रेलिया ने हैरिस की जगह हीथर ग्राहम को टीम में शामिल किया है। हीथर ग्राहम महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग में बुधवार और गुरुवार (24 और 25 सितंबर) को वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पहले दो मुकाबलों में हिस्सा लेने के बाद भारत में ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ेंगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो सकते हैं ऋषभ पंत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर हो सकते हैं। यह टेस्ट सीरीज 2-14 अक्टूबर के बीच खेली जानी है।

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारत के उप-कप्तान रहे थे, लेकिन मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के दौरान उनके बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया। वह इस मैच में लंगड़ाते हुए बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन ओवल में खेले गए आखिरी टेस्ट में नहीं खेल सके। पंत के स्थान पर सीरीज के अंतिम मैच में एन जगदीशन को टीम में शामिल किया गया था। वह फिलहाल बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस समय ऋषभ पंत स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग से गुजर रहे हैं। बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग शुरू करने से पहले बीसीसीआई की मेडिकल टीम की ओर से अपडेट का इंतजार किया जा रहा है। पंत की वापसी के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है। पंत की अनुपस्थिति में, ध्रुव जुरेल वेस्टइंडीज के विरुद्ध सीरीज में भारत के विकेटकीपर होंगे, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के अंतिम दो टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग की थी।

अगर चयनकर्ता वेस्टइंडीज सीरीज के लिए दूसरे विशेषज्ञ विकेटकीपर का चयन करते हैं, तो एन जगदीशन बैकअप विकल्प हो सकते हैं। यह भी माना जा रहा है कि चयनकर्ता टेस्ट सीरीज के लिए नितीश कुमार रेड्डी और देवदत्त पडिक्कल के नाम पर विचार कर सकते हैं। भारत-वेस्टइंडीज के बीच यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा है। भारत-इंग्लैंड के बीच पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी, जिसके बाद भारत वर्तमान में डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में तीसरे पायदान पर मौजूद है। वहीं, दूसरी ओर वेस्टइंडीज तीन मैचों में तीन हार के बाद छठे स्थान पर है।

भारत-इंग्लैंड की टीमें 2-6 अक्टूबर के बीच अहमदाबाद में पहला टेस्ट मैच खेलेंगी, जिसके बाद 10-14 अक्टूबर के बीच दिल्ली में सीरीज का दूसरा मुकाबला आयोजित होगा।

बहुत सारी कमजोरियां हैं..., भारत से लगातार दो मैच हारने पर वसीम अकरम ने पाकिस्तान टीम को लताड़ा

दुबई, एजेंसी। अकरम ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी को भी निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि टीम 10 ओवरों में 91/1 के स्कोर पर अच्छी स्थिति में थी, लेकिन सिर्फ 171 रन ही बना पाई। अकरम ने कहा कि ऐसी स्थिति में टीम को 200 रन तक पहुंचना चाहिए। पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने एशिया कप 2025 सुपर फोर में भारत के खिलाफ हार के बाद पाकिस्तान टीम की कड़ी आलोचना की है। अकरम ने साफ शब्दों में कहा कि पाकिस्तान को टीम इंडिया ने हर विभाग में मात दी। उन्होंने पाकिस्तान की बल्लेबाजी, गेंदबाजी और रणनीति सभी पर सवाल उठाए। अकरम ने कहा, भारत ने पाकिस्तान को हर विभाग में पछाड़ दिया और यह पिछले चार-पांच वर्षों से होता आ रहा है। हम (पाकिस्तान) केवल एक-दो बार ही जीत पाए हैं।

बल्लेबाजी में सुधार की आवश्यकता

अकरम ने ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए पाकिस्तान की बल्लेबाजी को भी निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि टीम 10 ओवरों में 91/1 के स्कोर पर अच्छी स्थिति में थी, लेकिन सिर्फ 171 रन ही बना पाई। अकरम ने कहा कि ऐसी स्थिति में टीम को 200 रन तक पहुंचना चाहिए था। उन्होंने खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट और विशेषकर रेड-बॉल क्रिकेट खेलने पर जोर दिया। अकरम ने कहा, बहुत सारी कमजोरियां हैं। खिलाड़ियों को एक निश्चित मात्रा में रेड-बॉल क्रिकेट खेलनी चाहिए। यही तरीका है जिससे आप स्पिनर्स को समझ पाएंगे और बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

उन्हें IPL में भी अंपायरिंग करनी है, फखर जमां को आउट देने पर अफरीदी ने उगला जहर

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भारत के विरुद्ध सुपर-4 मुकाबले में फखर जमां को आउट दिए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने एशिया कप 2025 में अंपायरिंग के मानकों पर फिर से बहस छेड़ दी है। फखर जमां इस फैसले से नाखुश दिखे। उनका मानना था कि विकेटकीपर के दस्तानों में जाने से पहले गेंद जमीन को छू चुकी थी। समा टीवी पर शाहिद अफरीदी ने अंपायर पर तंज कसते हुए कहा, उन्हें आईपीएल में भी अंपायरिंग करनी है। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने अफरीदी का समर्थन करते हुए फखर जमां को आउट दिए जाने पर अफसोस जताया है। यूसुफ ने कहा, फखर जमां हमारे प्रमुख खिलाड़ी थे, उन्होंने विश्वस्तरीय गेंदबाजों (जसप्रीत बुमराह) के खिलाफ कुछ चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की थी। पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा ने भी थर्ड अपंयार के इस फैसले पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि गेंद बाउंस हुई है।

ट्यूनीशिया में 11वीं शताब्दी में बने थे ये अनोखे अंडरग्राउंड घर

आपने अक्सर दादी-नानी की कहानियों में पाताल लोक के बारे में सुना होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक पाताल लोक धरती पर भी मौजूद हैं, जहां जमीन के नीचे घर बनाकर लोग रहते हैं। इसकी वजह भी बेहद चौंकाने वाली है। ये है अफ्रीकी देश ट्यूनिशिया का दजेबेल दाहर इलाका, जहां लोग आज भी सैकड़ों साल पुराने घरों में रहते हैं। ये घर जमीन के नीचे बने होते हैं। इस अंडरग्राउंड गांव को तिज्मा के नाम से जाना जाता है। जमीन के नीचे पुराने तरीकों से बने इन घरों पर न गर्मी का असर है और न ही सर्दी का। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में यहां की आबादी काफी कम हो गई। अब यहां कुछ फैमिलीज ही बची हैं। हालांकि, वो इस जगह से इतने अटैच हैं कि इसे छोड़कर जाना नहीं चाहते हैं।

100 साल पुराने इन घरों में लोग रहते तो हैं ही, साथ ही उन्होंने जीवन यापन की तमाम सुविधाएं भी यहां इकट्ठा कर ली हैं। हालांकि यहां रहने वाले ज्यादातर लोग वही हैं, जिनकी जमीन आसपास है और उन्हें यहां खेती करनी होती है। इसके अलावा काफी लोग इस इलाके को छोड़कर शहरी क्षेत्रों की ओर कूच कर गए हैं। जो लोग यहां जमीन के नीचे बने घरों में रहते हैं, उनका कहना है कि उन्हें अपनी जमीन और संस्कृति से प्यार है, इसलिए वो इसे छोड़कर नहीं जाना चाहते। यहां छुट्टियों के दौरान घूमने-फिरने के लिए पर्यटक भी आते रहते हैं। दरअसल, इन घरों को जमीन के नीचे बनाने का मकसद इस इलाके में चलने वाली गर्म हवाओं से निजात पाना था। यहां बने ज्यादातर घर मिट्टी के ही बने होते हैं, जो भीषण गर्मी में भी ठंडे रहते हैं।

इसके अलावा इनकी बनावट भी ऐसी होती है कि यहां हवा आने की जगह बनी रहे। यहां 1 हजार से ज्यादा अंडरग्राउंड घर बनाए गए हैं। इन घरों को ट्रोग्लोटाइड कहते हैं। अनुमान लगाया जाता है कि ये घर 11वीं शताब्दी में ही बनाए गए होंगे। इनमें से कुछ घरों में लोग अब भी रह रहे हैं। इन घरों को स्टार वार्स की एक मूवी में भी दिखाया गया था, जिसके बाद इन घरों को देखने दुनियाभर के पर्यटक यहां आते हैं। साल 1960 में इन घरों को पहुंचे नुकसान के बाद इन्हें नई सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है। यहां के घरों में आम घरों की ही तरह सोने, किचन जैसे कामों के लिए अलग-अलग रूम बना रखे हैं। इन घरों में लोगों ने टीवी आदि भी लगा रखे हैं।

ऐसी है यहां के लोगों की जिंदगी

इस अंडरग्राउंड गांव को तिज्मा के नाम से जाना जाता है। ट्यूनिशिया के प्रेसिडेंट रहे हबीब बॉर्गुइबा ने मॉर्डेनाइजेशन मुहीम के तहत 1960 और 1970 में नया इलाका बसाया। हालांकि, पिछले कुछ दशकों में यहां की आबादी काफी कम हो गई। अब यहां कुछ फैमिलीज ही बची हैं। हालांकि, वो इस जगह से इतने जुड़े हुए हैं कि इसे छोड़कर जाना नहीं चाहते हैं। असल में, सूखे और भारी बारिश के चलते यहां मकान गिरने लगते हैं। ऐसे में कुछ लोगों ने आस-पास की जमीन में ही नए मकान बना लिए हैं। वहीं, पारंपरिक घरों को वो स्तबल और वर्कशॉप के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। तिज्मा गांव के आस-पास ऊपर खजूर और जैतून के पेड़ लगे हैं। यहां रह रहे लोगों के गुजारा जैतून की फार्मिंग और टूरिज्म से होता है। आजकल के समय में यह जगह पॉपुलर डेस्टिनेशन में तब्दील हो गई, यहां के अंडरग्राउंड मकानों में होटल खुल गया जो की कमाई का एक और साधन है।

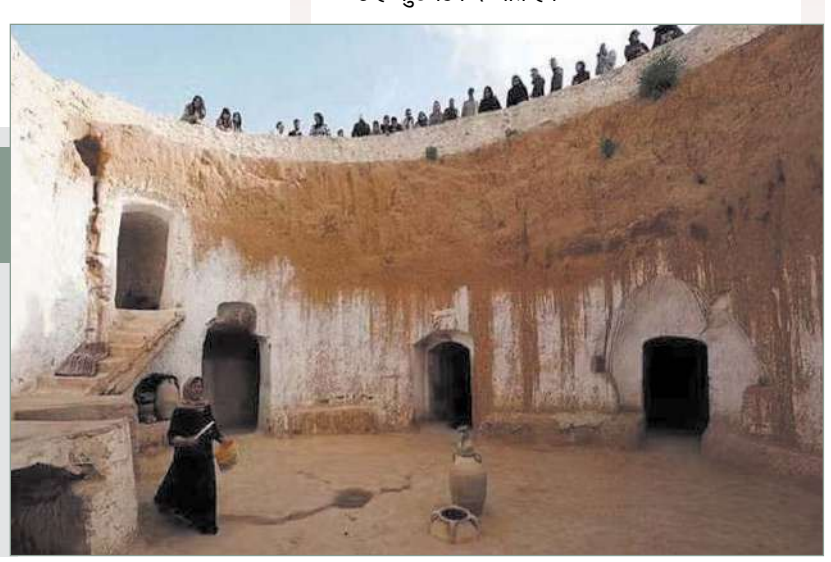

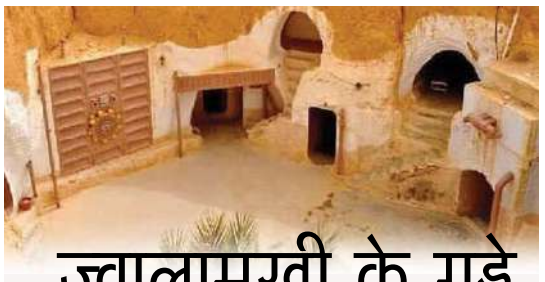

ज्वालामुखी के गड्ढे जैसे हैं दिखते

- तिज्मा गांव में बने सभी मकान ज्वालामुखी के जैसे गड्ढे और गुफा में मौजूद हैं। इनके आस-पास ऊपर पाम और जैतून के पेड़ लगे हैं। इन सभी का कंस्ट्रक्शन एक जैसा है। अजीबोगरीब दिखने वाले ये मकान लीबिया के बॉर्डर से लगे इलाकों में मौजूद हैं। वहीं, दजेबल दहर के बाकी हिस्सों में बने मकान और स्टोररूम पत्थरों को काटकर और जमीन के ऊपर बनाए गए हैं।
- इस अंडरग्राउंड गांव को तिज्मा के नाम से जाना जाता है। ट्यूनिशिया के प्रेसिडेंट रहे हबीब बॉर्गुइबा ने मॉर्डेनाइजेशन कैंपेन के तहत 1960 और 1970 में नया टाउन बसाया। तब यहां से कई फैमिलीज ने अंडरग्राउंड मकानों को छोड़ दिया।
- दरअसल, सूखे और भारी बारिश के चलते यहां मकान गिरने लगते हैं। ऐसे में कुछ लोगों ने आस-पास की जमीन में ही नए मकान बना लिए हैं। वहीं, पारंपरिक घरों को वो स्तबल और वर्कशॉप के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं।
- यहां पांच कमरों वाले घर में रहने वाली लतीफा बेन याहिया ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स से बताया, मेरे मां-बाप की मौत हो गई। सभी लड़कियों की शादियां हो गईं और वो अपने घर चली गईं। अब मैं घर में सिर्फ अकेली बची हूं। अगर मैंने भी घर छोड़ दिया, तो ये घर तो खत्म हो जाएगा।
- यहां रहने वाली 36 साल की सलीहा मोहम्मेदी ने कहा कि वो इस घर में अपने हसबैंड और चार बच्चों के साथ रह रही हैं और उन्हें यहां रहने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्हें अगर यहां दूसरा मकान भी मिलता है, तो उसे अपने बच्चों को दे देंगी। सलीहा का कहना है कि ये वो जगह है, जहां हमने अपनी जिंदगी गुजारी है।
- गांव में छोटी सी दुकान चलाने वाले हेदी अली काएल इस इलाके में बचे वो आखिरी शख्स हैं, जिसे इस बात की जानकारी है कि ये मकान कैसे बने हैं और कैसे मेंटेन किए जाते हैं। उन्होंने यहां आखिरी मकान 1970 में बनाया था। वो अब भी इन मकानों को सुरक्षित रखने में लगे हुए हैं।

टूरिज्म कमाई का जरिया

- यहां रह रहे लोगों के गुजारा जैतून की फार्मिंग और टूरिज्म से होता है। ये जगह तब पॉपुलर डेस्टिनेशन में तब्दील हो गई, जब यहां के अंडरग्राउंड मकानों में होटल खुल गया।
- 1970 में स्टार वॉर्स ने यहां होटल सेट किया था। हालांकि, ट्यूनिशिया में टूरिज्म अभी रिकवरी के दौर में है। 2011 में अरब क्रांति के बाद यहां टूरिज्म में काफी गिरावट आई है।
- यहां रहने वाली सलीहा का कहना है कि अरब क्रांति से पहले यहां टूरिज्म था, लेकिन उसके बाद से गिनती के लोग ही आते हैं।
- उनका कहना है कि छुट्टियों के दौरान यहां ट्यूनिशिया के कुछ लोग घूमने-फिरने के लिए आ जाते हैं, तो उन्हें कुछ टिप दे जाते हैं।

तीसरी आंख की निगाह हर दुर्गा पंडाल पर और प्रतिमा पर सतत जारी है -प्रदीप राय

संजय प्रेम जोशी

बागली। नवरात्रि पर्व के एक दिन पहले शांति समिति की बैठक के दौरान बागली पुलिस अनु विभागीय अधिकारी सृष्टि भार्गव बागली थाना प्रभारी प्रदीप राय द्वारा आगामी पर्व शांति व्यवस्था से मनाए जाने की अपील की गई शांति समिति बैठक के दौरान नगर में आवारा पशु और बार-बार विद्युत कटौती परेशानी के साथ-साथ माता पाडांल और मंदिरों के आसपास गंदगी का मुद्दा उठाया गया जिसे संबंधित विभाग को अवगत करा दिया गया है। नगर परिषद सी एम ओ प्रमोद बरुवा ने बताया कि उनकी सफाई मित्र टीम मंदिरों के आसपास विशेष रूप से कार्य कर रही है। विद्युत विभाग से जुड़े अधिकारी निमेष कुमार ने आश्वासन दिया है की नवरात्रि पर्व के दौरान विद्युत कटौती नहीं के बराबर की जाएगी विशेष कर रात्रि में सतर्कता बरती जाएगी बागली थाना प्रभारी प्रदीप राय ने बताया कि उनके पास सभी दुर्गा पंडाल और माता मंदिरों की सूची और जानकारी उपलब्ध है। इन सभी स्थानों पर तीसरी आंख सी सी टी वी कैमरे के रूप में अपना काम कर रही है। फिर भी नागरिकों से निवेदन है ।कि वह अपने घरों पर लगे कैमरे का फोकस मुख्य मार्ग और मंदिरों की तरफ करें। आने वाले सभी त्योहार शांति से निपट जाए यही सब की कामना है। मंगलवार को बागली थाना परिसर में पी सी डब्ल्यू जे के नवागत डिजिटल मीडिया प्रदेश अध्यक्ष सुनील योगी प्रदेश महामंत्री डी एल चौहान प्रदेश प्रवक्ता अरविंद सिंग लोधी जनसंपर्क कार्यालय को प्रेषित संगठन की सूचना का पत्र लेकर पहुंचे उस वक्त थाना प्रभारी प्रदीप राय ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुए कहा कि बागली अमन और शांति का शहर है ।लेकिन फिर भी हम सभी को निगाह रखना जरूरी है।

सांदीपनि विद्यालय के व्यवसायिक छात्रों छात्राओं ने किया औद्योगिक भ्रमण

जगदीश पाल

सांदीपनि विद्यालय खनियाना के व्यावसायिक पाठ्यक्रम अंतर्गत फिजिकल एजुकेशन ट्रेड के छात्रों ने चंदेरी वाटर पार्क का भ्रमण किया जिसमें चंदेरी वाटर पार्क म्यूजियम किला कोठी हैंडलूम इत्यादि स्थान को घुमा जिसमें चंदेरी वाटर पार्क मैं ले जाकर पहले वाटर पार्क से कैसे कैसे बनता है कितनी लागत आती है उसके बाद विद्यालय की व्यवसायिक प्रशिक्षक रोहित पाठक बा साइकोलॉजिस्ट मोहन सोनी द्वारा बच्चों को स्विमिंग करने तथा पानी में योगासन करने की तीन-तीन घंटे दो बार ट्रेनिंग दी गई जिसमें 60 छात्र छात्राओं में से 20 छात्र स्विमिंग करने में परफेक्ट हुए और 15 छात्रों ने योगासन लगाएं जो छात्राएं कभी घर से बाहर नहीं निकलती थी बाह छात्राएं आज पानी में योगासन लगाकर स्विमिंग कर स्किल इंडिया सपना साकार करते नजर आए हैं इसमें हमारा मार्गदर्शन मोहित भार्गव जिला एडीपीसी राजा बाबूआर्य जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ यह विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की
अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या
अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क
प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

कितनी भी बारिश हो दिल्ली में नहीं होगा जलभराव

एनएचआईए का प्लान समझिए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के दक्षिण-पूर्वी इलाके में बदरपुर एलिवेटेड हाइवे और आसपास की बस्तियों को हर साल मॉनसून में जलभराव की मार झेलनी पड़ती है। लेकिन अब नेशनल हाइवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इस समस्या को जड़ से खत्म करने का बीड़ा उठाया है। एक नई और भव्य 4.35 किलोमीटर लंबी ड्रेनेज सिस्टम की योजना तैयार की गई है, जिसके तहत मथुरा रोड और आसपास के इलाकों को पानी की निकासी की दिक्कत से निजात मिलेगी। इस प्रोजेक्ट की लागत 24.48 करोड़ रुपये है और इसे अगले छह महीनों में पूरा करने का लक्ष्य है।

जलभराव का अंत, नई शुरुआत

एनएचआईए के इस मेगा प्रोजेक्ट में दो मीटर गहरा और दो मीटर चौड़ा प्रीकास्ट ड्रेन बनाया जाएगा, जो दिल्ली और हरियाणा के कुछ हिस्सों में हाइवे के साथ-साथ चलेगा। यह ड्रेन इतना मजबूत होगा कि भारी-भरकम लोड को भी आसानी से झेल सके। खास बात यह है कि यह सिस्टम मथुरा रोड, मेहरौली-बदरपुर रोड, बदरपुर गांव और आसपास की कॉलोनियों में मॉनसून के दौरान होने वाले जलभराव को पूरी तरह खत्म करने में सक्षम होगा। दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को 27 सितंबर को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा द्वारा हरी झंडी दिखाई जाएगी। बिधूड़ी ने कहा, मैंने 9 सितंबर को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी, जिसके बाद इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली।

पुरानी नालियों का बोझ, नया समाधान

बिधूड़ी ने बताया कि मथुरा रोड के साथ बनी पुरानी नालियां दशकों पुरानी हैं और अब ताजपुर पहाड़ी, मोलरबंद एक्सटेंशन, बदरपुर एक्सटेंशन, बदरपुर गांव और मोहन बाबा नगर जैसे बड़े रिहायशी इलाकों का बोझ उठाने में नाकाम हैं। उन्होंने कहा, इन कॉलोनियों में लाखों लोग रहते हैं और भारी बारिश में 3-4 फीट तक पानी भर जाता है। इस साल, अस्थायी तौर पर नालियों की सफाई के बावजूद रिकॉर्ड बारिश ने फिर से बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए। नया ड्रेन सिस्टम इस समस्या का स्थायी समाधान होगा।

पैदल यात्रियों के लिए भी खुशखबरी

जलभराव की समस्या के समाधान के साथ-साथ एनएचआईए एक और तोहफा देने जा रहा है। 28 सितंबर को मोलरबंद एक्सटेंशन में एक नए फुट ओवरब्रिज का उद्घाटन होगा, जो दिल्ली को हरियाणा के फरीदाबाद सेक्टर 37 से जोड़ेगा। बिधूड़ी ने बताया, हर दिन हजारों छात्र इस व्यस्त रास्ते को पार करते हैं और अतीत में कई हादसे हो चुके हैं। यह ब्रिज दिल्ली और फरीदाबाद के बीच सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगा।

कब तक होगा काम पूरा?

एनएचआईए के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट का टेंडर प्रक्रिया नवंबर की शुरुआत तक पूरी हो जाएगी। इसके बाद छह महीने के भीतर ड्रेनेज सिस्टम बनकर तैयार होगा। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ, तो अगले मॉनसून में बदरपुर और आसपास के इलाकों को जलभराव की समस्या से राहत मिल सकती है।

कितना स्मार्ट है गाजियाबाद का नया ट्रैफिक कंट्रोल रूम?

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के कंट्रोल रूम की बिल्डिंग नगर निगम में बनकर तैयार है। कंप्यूटर लगाने का काम भी शुरू हो गया है। यहां से शहर की यातायात व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी। नगर निगम में स्मार्ट ट्रैफिक कंट्रोल रूम बनाया है। इसके तहत शहर के सभी प्रमुख तिराहे-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, जो केंद्रीकृत प्रणाली के तहत एक ही स्थान पर स्क्रीन पर लाइव दिखेंगे। शहर में कैमरे लगाने का काम चल रहा है। अगले माह तक सभी 800 कैमरे लगाने का दावा किया जा रहा है। कैमरों को कंट्रोल रूप से जोड़ा जाएगा। निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता एनके चौधरी ने बताया कि कंट्रोल रूम में अंतिम चरण का काम चल रहा है।

एआई से यातायात प्रबंधन होगा- आईटीएमएस योजना लागू होने के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिवाइस से यातायात प्रबंधन होगा।

चौराहों पर कैमरे लगेंगे

नगर निगम के मुख्य अभियंता ने बताया कि सभी प्रमुख तिराहों-चौराहों पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे। यह कैमरे आईपी बेस्ड और हाई रेजुलेशन के होंगे। अतिव्यस्त और भीड़भाड वाले इलाकों में भी कैमरे लगाए जा रहे हैं। सभी कैमरे ट्रैफिक कंट्रोल रूम में लगी स्क्रीन पर लाइव होंगे। जाम और हादसे के बाद तुरंत पहुंचेगी पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्मार्ट ट्रैफिक कंट्रोल शुरू होने के बाद पूरे जिले की यातायात व्यवस्था पर नजर रहेगी। कहीं पर जाम और हादसा होने की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम तुरंत मौके पर भेजी जाएगी। एनके चौधरी, मुख्य अभियंता, नगर निगम ने बताया कि आईटीएमएस का कंट्रोल रूम इस महीने तैयार हो जाएगा। इसके बाद शहर में लग रहे कैमरों को कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा।